पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.07.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आर्य जनता का धन्यवाद!

श्री अनिल आर्य के संपादन में

युवा उद्घोष

पत्रिका का

41वे वर्ष में प्रवेश

वर्ष-41 अंक-03 आषाढ़-2081 दयानन्दाब्द 201 01 जुलाई से 15 जुलाई 2024 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.07.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की भूटान यात्रा सम्पन्न

भूटान के प्रधानमन्त्री शेरिंग तोपगे से भेंट

आर्य यात्रियों ने भूटान की खूबसूरती का लिया आनन्द

वीरवार, 27 जून 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के नेतृत्व में 20 जून से 27 जून 2024 तक भूटान यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें 20 आर्य प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य व श्रीमती प्रवीण आर्य ने भूटान के प्रधानमंत्री श्री शेरिंग तोपगे से भेंट कर शुभकामनायें आदान प्रदान की। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने बताया कि भूटान में कहीं भी चौराहे पर लालबत्ती नहीं दिखाई दी, लोग स्वतः ही नियमों का पालन करते हैं।पैदल यात्री जेब्रा क्रासिंग पार करते हैं तो सभी ट्रैफ़िक रुक जाता है।प्राकृतिक वातावरण,ऊंचे पहाड़ों और गहरी खाईयों, इन्द्रधनुषी आकाश,कहीं वर्षा,धुंध,धूप सब आनंद देने वाला रहा।उन्होंने बताया कि लोगों की विनम्रता, अतिथि सत्कार,सादगी,वाणी मन मोह लेती हैं। मोदी जी का स्वच्छता अभियान अभियान सच में यहीं दिखाई देता है पूरे भूटान में कहीं गंदगी और कुड़ा दिखाई नहीं दिया।आम भाषा हिन्दी सब बोलते हैं और शाकाहारी भोजन उपलब्ध हैं।कहीं कोई भिखारी नहीं मिले, शांत और आध्यात्मिक वातावरण में बौद्ध मूर्ति भी है और हिंदू मंदिर भी है। यहां राजा का सभी बहुत सम्मान करते हैं और उनका चित्र हर भवन पर दिखाई देता है।सभी भारत को बड़ा भाई मानते हैं और व्यापार भी भारत से अत्यधिक होता है।होटल उचित दर पर साफ सुथरे उपलब्ध हैं।भूटान बर्बस आकर्षित करने वाला देश है। पारो का हवाई अड्डा भी दर्शनीय हैं एक बार भूटान अवश्य देखना चाहिए। आर्य प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से वेद खट्टर, नरेंद्र आर्य, सुधीर बंसल, आस्था आर्य, कमल तोमर (फोर सीजन ट्रेवल) सुरेन्द्र गदाना, अर्चना मोहन, हंसराज कुकरेजा, सुधीर खट्टर, ईशा शर्मा, मधु आर्य आदि सम्मिलित रहे। दिल्ली से आयी पिंकी आर्य के गीतों ने यात्रा की शोभा अधिक बढ़ा दी।

दिल्ली चलो! दिल्ली चलो! दिल्ली चलो!

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 46वें स्थापना दिवस पर

राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन

रविवार 1 सितम्बर 2024, प्रातः 9.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक आर्य समाज मालवीय नगर, नई दिल्ली–110017 में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के पश्चात ऋषि लंगर का सुन्दर प्रबंध रहेगा। दिल्ली के बाहर से पधारने वाले आर्य ज़न शीघ्र सूचित करें जिससे उनके आवास व भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की जाये। **'10 हज़ार युवाओ का यज्ञोपवीत संस्कार'** के लिये 'युवा संस्कार अभियान' दिनांक 10 अगस्त से 18 अगस्त 2024 तक देश भर में चलाया जाएगा। सभी परिषद अधिकारी तैयारी शुरू कर देवे।

आपके सहयोग के आकांक्षी–

अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	एच एन मिथरानी	प्रमोद पाठक
राष्ट्रीय अध्यक्ष, मो. 98680 51444	राष्ट्रीय महासचिव	स्वागत अध्यक्ष	स्वागत मंत्री

आर्य भूटान यात्रा, मेरी नज़र में

— सुधीर बंसल, फरीदाबाद

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद द्वारा आयोजित 7 रात्री व 8 दिन की भूटान यात्रा 20 जून से 27 जून, 2024 तक की सूचना पढ़ी, उत्सुकता जागी। मैंने पहले अपनी धर्म–पत्नी लता को तैय्यार किया कि चलो इस यात्रा पर जाकर आते हैं। लोगों से बड़ी चर्चा सुनी थी कि भूटान विश्व का एक बेहद खूबसूरत देश है जहाँ की प्राकृतिक छटा देखते ही बनती है, अपने विभिन्न इन्द्र धनुषीय रंग बिखेरती हुई पर्यटकों का मन मोह लेती हैं और चिरकाल तक स्मृति में बनी रहती हैं। फिर जैसा सुना था, हम गये तो मुझे कल्पना से कहीं अधिक कुछ देखने का अवसर मिला जो मैं आपसे सांझा कर रहा हूँ। हम लोगों का 20 आर्य जनों का ग्रुप बना, दिल्ली से बागडोगरा की उड़ान लगभग 2 घण्टे की भरी। पर प्रथम चरण में ही दिल्ली से प्रातः 8.55 की फ्लाइट कैन्सिल होकर सांय 3.25 की विलम्ब से एवियेशन ने बदल दी और ट्रैवल एजेण्ट को कुछ घण्टों पहले ही सूचित किया। एयरपोर्ट जाने के लिए सबने अपने–अपने निवास स्थान से टैक्सी बुक प्रातः छः बजे की दिन के 12 बजे की रिशैड्यूल की। लगभग डेढ़ बजे एयरपोर्ट पहुँच कर अपना लगेज़ चौक–इन करवाकर सिक्योरिटी काऊण्टर्स चौक करवाते हुए उड़ान के निर्धारित गेट पर पहुंचने पर पता लगा कि फ्लाइट साढ़े छः बजे जायेगी। इस कारण लगभग साढ़े आठ बजे 'बागडोगरा' (वैस्ट–बंगाल) एयरपोर्ट पर उतरकर तैयार 25 सीटर वाहन से सड़क मार्ग से आगे चले। मार्ग में 10 बजे के लगभग एक अच्छे शाकाहारी रैस्टॉरैण्ट में भोजन किया और पहला पड़ाव बॉर्डर पर फुन्टशिलंग शहर में (165 कि.मी. की यात्रा) होटल में पहुँचे मध्य–रात्रि 1 बजे पश्चात! वहाँ पहुंचते ही हमारा बहुत अच्छा स्वागत हुआ एक कप चाय सर्व करते हुए। सभी थके–मांदे तो थे ही, चाय ने ऊर्जा संचारित करने का काम किया।

यहाँ के लोगों की आत्मीयता, विनम्रता और वाणी की मिठास ने मन मोह लिया। वातावरण सुन्दर प्रतीत हुआ। विशेष बात भूटान की ये लगी कि पूरे भूटान में कहीं भी श्लाल–बत्तीश चौराहों पर देखने को नहीं मिली और भूटान देशवासी ट्रैफिक नियमों का स्वतः पालन करते नज़र आये। ज़ैबरा क्रॉसिंग हर चौराहे से पहले ट्रैफिक का संकेत देती है और वो सावधानी से वाहन को क्रॉस करने की मानो एक आदत सी बन गई हो! पैदल चलने वालों को सड़क पार करने के लिए इस जैबरा क्रॉसिंग पर से ही जाने की अनुमति है, अन्यथा पकड़े जाने पर भारी पैनल्टी का सामना करना पड़ता है। अधिक से अधिक कोई एक ट्रैफिक कॉन्स्टेबल कभी–कभार देखा गया, अन्यथा उसकी भी आवश्यकता नज़र नहीं आई। न कहीं झगड़ा होते कोई दृश्य नज़र आया और न ही किसी तरह की अव्यवस्था! हमारे भारत देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी समय–समय पर जो स्वच्छता अभियान की बात कर निर्देशित करते रहते हैं, भूटान में इसका पालन यहाँ के लोगों में आदतन अनूठा शुमार है। प्लास्टिक की थैलियां, गत्ते के डिब्बे, बोतल, कप, कांच आदि के टुकड़े, कचरा आदि कहीं कुछ बिखरा देखने को नहीं मिलेगा। 'अतः स्वच्छता नम्बर एक, मिठास नम्बर एक और कुशल चालक बड़े मुस्तैद।' भूटानवासियों को अपनी संस्कृति पर गर्व है। महिलाओं का पूरा सम्मान है। छेड़छाड़ और हरकत एक सपना है यहाँ, ऐसा गाइड ने बताया। भूटान की संस्कृति और पहनावा एक परिधान विशेष है जिससे महिलाओं की विशेष पहचान बनती है।

यहाँ 21 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग–दिवस भी मनाया गया और अपने 43 मंत्रियों के साथ भूटान के प्रधान–मन्त्री श्री गोब्जे जी भी प्रातः सभी योग कार्यक्रमों में व्यायामादि में उपस्थित रहे जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य जी ने भी सपत्नीक शिरकत की और उनका श्री गोब्जे जी के साथ फोटो–शूट भी रहा।

इसी तरह अगले दिन हम सभी भूटान की राजधानी थिम्पू के लिए अपने पहले होटल फुन्टशिलंग के पड़ाव से प्रातराश लेकर आगे की यात्रा के लिए निकले। 25 सीट वाहन बदला जा चुका था। मार्ग में हिन्दू मन्दिर देखा। यहाँ प्रायः बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं अतः हर स्थान पर बौद्ध मन्दिर देखने को मिलेंगे। हमने मार्केट देखा, विचरण किया, शॉपिंग सैण्टर्स कुछ अलग तरीके के और सामान्यतया सादगी भरे। हैण्डीक्रॉफ्ट्स का जबरदस्त उद्योग फैला हुआ, जो विशेष आकर्षण है। सभी ने शाकाहारी भोजन का आनन्द लिया। कुल मिलाकर सभी गतिविधियां बहुत अच्छी रहीं। आज 23/06/2024, रविवार को हमारी यात्रा का अगला पड़ाव बहुत अच्छे शहर पुनाखा का शैड्यूल्ड था, वहाँ पहुँचे होटल मिगमार, 3 स्टॉर, को पीछे छोड़ते हुए। मार्ग दुर्लभ घाटियों, गहरी नदियों से भरा, ऊंचे पहाड़ों से गिरते हुए जल–प्रपात और प्राकृतिक सौन्दर्य से भरा! ऐसे वातावरण में ईश्वर स्तुति भजन, गीत आदि गाते हुए यात्रा के अनोखे आनन्द का रसास्वादन हुआ।

यदि हम पहले सिलीगुड़ी जाते, वहाँ से दार्जिलिंग जाते, सिक्किम जाते तो उस पूर्वांचल क्षेत्र में तेज बारिश आदि की सदैव आशंका बनी रहती है और मार्ग बाधापूर्ण रहता, इसीलिए बागडोगरा जाकर थिम्पू का चुना। 'इस मार्ग से जाने में हमें अपनी जवानी की यादें ताजा हो गयीं। हमें लगा कि हम पुनः अपनी जवानी की 25/28 की दहलीज़ पर पहुँच गये। तो साथियों, जवानों के साथ चलने से भी सुन्दर और सुरम्यता का विकास स्वाभाविक हो जाता है और जवानी की याद आ ही जाती है! वृद्धावस्था केवल मन की बात रह जाती है, ऊर्जा का संचार हर समय तत्परता से बना रहता है।

हमारे ट्रैवल एजेण्ट गाइड श्री कमल तोमर साहब बहुत ही शान्त, नम्र और धैर्य रखकर बात करते हुए दिशा–निर्देश वाले सहृदयी हैं जो सांगोपांग गाइडैंस में लगे रहे जगह–जगह। कोई विघ्न–बाधा महसूस ही नहीं होने दी।

'दर्शनीय स्थानों में अभी तक की यात्रा में विशेषकर ये प्वाइण्ट्स रहे–' खरबन्दी कोरपा, पैनोरमिक व्यूज़, नेशनल मैमोरियल शोटन, बुद्धा स्टैच्यू 170 फीट टॉल, टिन जू , हैरिटेज म्यूज़ियम, हैण्डीक्रॉफ्ट बाज़ार, डोच्यूला पास, 108 ड्रक वैंगी स्तूप्स, फौब्जीका वैली और ब्लैक नैक्ड क्रेन्स। कृपया आप पाठक भी इस अनुभव को पढ़–जानकर भूटान का प्रोग्राम बनाएं तो एक अद्भुत अनुभव की प्राप्ति होगी। सामान्यतया ये मान्यता बनी रहती है कि शाकाहारी भोजन नहीं मिलता है पर ऐसी बात नहीं है। ढूंढने पर स्थान–स्थान पर शाकाहार की उपलब्धता भी है। हाँ, यहाँ के कल्चर अनुसार ही भोजन प्राप्त होगा। ग्रुप में सभी कलाकार हैं जिन्होंने सुरम्यता में और चार चाँद लगा दिये अपने भजनों और गीतों को मधुर गायन से, वाहन में चलते हुए भी, जिनमें प्रमुख रूप से श्री सुधीर कुमार बंसल, आर्य–समाज, सैक्टर 15, फरीदाबाद से, श्री नरेन्द्र मखीजा आर्य जी, सैक्टर 7 से, दिल्ली से श्री सुधीर खट्टर जी, पिंकी आर्य महिलाओं में भी श्रेष्ठ भागीदारी, सभी को होने से जीवन्तता बनी रही। सभी का साथ होने से अच्छा लंबा सफर कैसे कटा, इसका पता भी नहीं चला। अच्छा समावेश रहा ग्रुप में हर सदस्य का!

आर्य भूटान यात्रियों का सामुहिक चित्र

जम्मू में आर्य युवा चरित्र एवं व्यक्तित्व विकास शिविर का भव्य समापन

आर्य युवा परिवार, समाज व राष्ट्र की उन्नति की गौरव गाथा का स्वर्णिम भविष्य बनेगे– अनसूया जम्बवाल, ADC जम्मू

जम्मू, रविवार 16 जून 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में चल रहे "आर्य युवा चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर" का भव्य समापन हुआ। शिविर में 120 आर्य युवक व युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र भाई ने ध्वजारोहण करके किया। मुख्य अतिथि ADC जम्मू अनसूया जम्बवाल जी ने कहा कि योग का अर्थ है ईश्वर से जुड़ना और इसके लिए महर्षि पतंजलि के द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग की साधना करनी होगी। ईश्वर ने मानव मात्र के कल्याणार्थ चारों वेदों का ज्ञान हमें दिया जिस पर चल कर विश्व को एक सूत्र में पिरो सकते हैं। हम सुखी स्वस्थ और समृद्ध जीवन के लिए अग्निहोत्र को अपने जीवन का दैनिक अंग बनाये। शिविर में भाग ले रहे युवक–युवतियों को उत्तम संस्कार देने की यही आयु है, ये बच्चे ही आगे चल कर परिवार, समाज व राष्ट्र की उन्नति व गौरव गाथा का स्वर्णिम भविष्य बनेंगे। मुझे बहुत प्रसन्नता है कि इस शिविर में भाग ले रहे युवक–युवतियों ने भीषण गर्मी में अपने शिक्षकों से शारीरिक व आत्मरक्षा के गुर सीखे और विद्वानों से आध्यात्मिक ज्ञान के साथ वैदिक संस्कृति व अपने महापुरूषों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अपने जीवन की सफलता का श्रेय स्वामी राम स्वरूप योगाचार्य को दिया। दिल्ली से पधारे राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष धर्मपाल आर्य ने बच्चो के द्वारा किये गए प्रदर्शन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा की परिषद् द्वारा चलाये जा रहे अभियान का श्रेय केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य को जाता है जिनके मार्गदर्शन मे सारा कार्य किया जा रहा है। आर्य समाज जानीपुर के धर्माचार्य वेद शास्त्री ने कुशल मंच संचालन किया। प्रांतीय अध्यक्ष सुभाष बब्बर ने अपनी शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा की आज समाज मे संस्कृति और संस्कारों की कमी है। इसलिए परिषद इन शिविरों के माध्यम से लगातार 46 वर्षो से युवा निर्माण का कार्य कर रही है। वैदिक भजनोपदेशिका दीप सहगल ने अपने भजनों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिक्षक सौरभ गुप्ता , योगेन्द्र शास्त्री, नसीब सिंह, गौरव सिंह, रोहित आर्य, पायल गर्ग, इशिका सैनी एवं अनिल कुमार के निर्देशन में युवक व युवतियों ने योगासन,लाठी,जूडो–कराटे,आत्म रक्षा, दंबल,लेज़ीयम व कमांडो आदि के रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत कराये। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू कश्मीर के मंत्री अमित महाजन ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रमुख रूप से कपिल बब्बर, रूही बब्बर, मुकेश मैनी,वेद आर्य, अरुण आर्य, प्रिंसिपल सोनिया आनंद, रणविजय शास्त्री, रवि कुमार, वीना बक्शी, सुनीता गुप्ता (निगम पार्षद), अशोक मल्होत्रा, आचार्य देवव्रत, हंस राज, ऋतिक सैनी व पवन कुमार आदि उपस्थित थे।

जम्मू शोभा यात्रा में आचार्य महेन्द्र भाई, सुभाष बब्बर, धर्मपाल आर्य,कपिल बब्बर, सौरभ गुप्ता, पायल, योगेन्द्र शास्त्री, अमित महाजन, नसीब सिंह, गौरव सिंह आदि। द्वितीय चित्र मे **Marching** का सुन्दर दृश्य।

वैदिक विद्वान् आर्य रविदेव गुप्ता व डॉ. सुनील रहेजा का अभिनन्दन

एमिटी आर्य युवक शिविर नोएडा में वैदिक विद्वान आर्य रविदेव गुप्ता जी का अभिनंदन करते अनिल आर्य, प्रवीण आर्य पिंकी, स्वदेश शर्मा व महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र मे डॉ. सुनील रहेजा का अभिनंदन करते अनिल आर्य, पिंकी आर्य, महेन्द्र भाई, प्रवीण आर्य गाजियाबाद, यज्ञ वीर चौहान।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 658वां वेबिनार सम्पन्न

'योगो भवति दुःखहा' पर गोष्ठी सम्पन्न

शरीर, मन, बुद्धि को दुःख रहित बनाने हेतु योग अपनाएं – हरिओ३म् शास्त्री

सोमवार 17 जून 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'योगो भवति दुःखहा' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 657 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान हरिओ३म् शास्त्री ने कहा कि योगेश्वर श्रीकृष्ण जी ने श्रीमद्भगवद्गीता में योग को सभी दुःखों का नाशक कहा है।वे कहते हैं कि – 'युक्ताहार विहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।' 'युक्त स्वपनावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।।' अर्थात् –उचित और उचित मात्रा में उचित समय पर भोजन खाना, उचित घूमना फिरना,उचित कर्मों में प्रयत्न करना,उचित समय पर सोना और उचित समय पर जागना ही दुःख को दूर करने वाला योग होता है।मनुष्य के लिए वास्तविक योग का लक्ष्य परमात्मा के साथ मिलन होता है।जो साधना,संयम,शुद्धता और अध्यात्म से प्राप्त होता है।फिर भी ऋषि मुनियों ने शारीरिक स्वास्थ्य,मानसिक और बौद्धिक उन्नति को भी प्राप्त करने का एक मात्र उपाय योग को ही बताया है। सफलता और असफलता में एक रूप में रहने को भी योगेश्वर श्रीकृष्ण ने योग कहा है।वे कहते हैं –'योगस्थरू कुरु कर्माणि संगं त्यक्त्वा धनञ्जयरू।' 'सिद्धयसिद्धयोरू समो भूत्वा समत्त्वं योग उच्यते।।' केवल शारीरिक स्वास्थ्य हेतु किया गया व्यायाम ही योग नहीं कहलाता है।मन और बुद्धि को सूक्ष्म तथा शक्तिशाली बनाना और आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़ना वास्तविक योग होता है। जैसे एक के साथ कोई भी दूसरी संख्या को जोड़ने से बनने वाली संख्या बड़ी होती है।वैसे ही आत्मा का योग परमात्मा से होने पर आत्मा को मोक्ष प्राप्त होता है। इसलिए योग को 'मोक्षदरू' भी कहते हैं।अतः अपने शरीर,मन,बुद्धि और आत्मा को दुःख रहित बनाने हेतु योग को निरंतर अपनाना चाहिए। तभी वह हमारे दुःखों को दूर करने वाला बन सकेगा। मुख्य अतिथि वीरेन्द्र योगाचार्य (प्रान्तीय महामंत्री हरियाणा) ने कहा कि सत्य का पालन करने पर जीवन में हम आगे बढ़ सकते हैं।तथा करो योग रहो निरोग। केंद्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय अध्यक्ष योगी प्रवीण आर्य ने कहा कि महर्षि पतंजलि के योग सूत्र को अपना कर ध्यान साधना द्वारा जीवात्मा को परमात्मा की अनुभूति हो सकती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि योग का अर्थ जोड़ना आत्मा को परमात्मा से जोड़ना योग है।हम जात–पात, ऊंच–नीच एवं प्रांतवाद से उपर उठकर समाज को जोड़ने का काम करेंगे। उन्होंने बताया की परिषद 'भूटान' मे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगी जिसका लाइव प्रसारण होगा। 20 आर्य जन भूटान पहुंच रहे हैं। गायिका कौशल्या अरोड़ा, कमला हंस,आशा आर्या, शोभा बत्रा,सुधीर आर्य, रविन्द्र गुप्ता, कृष्ण कुमार यादव, सुभाष शर्मा, कुसुम भंडारी आदि ने मधुर भजन सुनाए।

शिक्षाविद्,. डॉ. डी.के. गर्ग व जस्टिस मिश्रा का अभिनंदन

एमिटी शिविर में विशिष्ट अतिथि डॉ. डी. के. गर्ग व जस्टिस वी.के. मिश्रा (इलाहाबाद हाइकोर्ट) का अभिनंदन करते अनिल आर्य, पिंकी आर्य व महेन्द्र भाई।

धन्यवाद व आगामी कार्यक्रम बैठक

मुख्यालय– आर्य समाज कबीर बस्ती
दिल्ली पुरानी सब्जी मंडी में
रविवार 7 जुलाई 2024, प्रातः 11 से 12.00 बजे तक
यज्ञः ब्रह्माः आचार्य महेन्द्र भाई जी

आर्य कार्यकर्ता बैठक

युवा संस्कार अभियान व
राष्ट्रीय अधिवेशन 1 सितम्बर की तैयारी हेतु
दोपहर 12.00 से 2.00 बजे तक, **प्रीति भोज** दोपहर 2.00 बजे
सभी साथी समय पर पहुंचे।
नोटः सभी को एक पुस्तक निःशुल्क भेंट होगी
अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष, 98680 51444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद, उत्तर प्रदेश

के तत्वावधान में
श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य में

यज्ञोपवीत संस्कार समारोह

दिनांक :- रविवार, 11 अगस्त 2024 **समय :- दोपहर 3 से 5 बजे तक**
स्थान:- शम्भूदयाल वैदिक सन्यास आश्रम, दयानन्द नगर, गाज़ियाबाद

प्रवीण आर्य	अनुपम आर्य	यज्ञवीर चौहान	सुरेश आर्य	सौरभ गुप्ता
प्रांतीय अध्यक्ष	प्रांतीय महामंत्री	जिला अध्यक्ष	जिला मंत्री	संयोजक

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474
से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970